भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4330

जिसका उत्तर 26 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

05चैत्र, 1947 (शक)

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर 2.0 योजना के तहत प्रगति

4330.श्री डग्गुमल्ला प्रसादा राव:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजना के अंतर्गत प्राप्त और अनुमोदित आवेदनों की राज्यवार और आंध्र प्रदेश के लिए जिलावार कुल संख्या कितनी है;

(ख) स्वीकृति के वर्ष सहित इस योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की वास्तविक और वित्तीय प्रगति का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत राज्यवार कुल कितने सामान्य सुविधा केन्द्रों (सीएफसी) को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है और सीएफसी की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) ईएमसी योजना के अंतर्गत बिक्री योग्य/पट्टे पर दिए जाने योग्य भूमि क्षेत्र में उपलब्ध कराए गए तैयार कारखानों की राज्यवार कुल संख्या कितनी है और अब तक कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(घ):**संशोधितइलेक्ट्रॉनिक्सविनिर्माणक्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजनाकेअंतर्गत, इलेक्ट्रॉनिकीऔरसूचनाप्रौद्योगिकीमंत्रालय (एमईआईटीवाई) कोदेशभरके 16 राज्योंसे 31 आवेदन [21 इलेक्ट्रॉनिक्सविनिर्माणक्लस्टर (ईएमसी) और 10 सामान्यसुविधाकेंद्र (सीएफसी)] प्राप्तहुएहैं। इनमेंसे, 1986.25 करोड़रुपयेकीकेंद्रीयवित्तीयसहायतासहित 4,127 करोड़रुपयेकीपरियोजनालागतवालेनौ (9) ईएमसीऔरएक (1) सीएफसीकोदेशभरके 7 राज्योंमेंअनुमोदितकियागयाहै, जिसमेंआंध्रप्रदेशराज्यभीशामिलहै। ईएमसी 2.0 योजनाकेअंतर्गतस्वीकृतपरियोजनाओंकाविवरणएमईआईटीवाईकीवेबसाइट, <https://www.meity.gov.in/offerings/schemes-and-services/details/modified-electronics-manufacturing-clusters-emc-2-0-scheme>परउपलब्धहै।

भारतसरकारस्वदेशीइलेक्ट्रॉनिक्सउद्योगकेविकासकोसक्रियरूपसेबढ़ावादे रहा है, जिसकाउद्देश्यदेशकेइलेक्ट्रॉनिकविनिर्माणपारिस्थितिकीतंत्रकोव्यापकऔरगहनबनानातथाइलेक्ट्रॉनिक्सवैश्विकमूल्यश्रृंखलाओं (जीवीसी) मेंभारतकीभागीदारीबढ़ानाहै। भारतसरकारनेघरेलूक्षमताओंकोबढ़ाने, आयातनिर्भरताकोकमकरनेतथाभारतकोइलेक्ट्रॉनिक्सउत्पादनकेलिएवैश्विककेंद्रकेरूपमेंस्थापितकरनेकेलिएकईउपाय/पहललागूकीहैं।

इसकेपरिणामस्वरूपइलेक्ट्रॉनिक्सउत्पादनवित्तवर्ष 2014-15 में 1,90,366 करोड़रुपयेसेबढ़करवित्तवर्ष 2023-24 में 9,52,000 करोड़रुपयेहोगयाहै, जिसमेंलगभग 17.5% कीचक्रवृद्धिवार्षिकवृद्धिदर ('सीएजीआर') है। अबहमएकऐसेचरणमेंपहुँचगएहैंजहाँभारतमेंउपयोगकिएजारहे 99.2%

मोबाइलहैंडसेटभारतमेंहीबनाएजातेहैंऔरवित्तवर्ष 2022-23 मेंहममोबाइलनिर्यातकरनेवालेदेशबनगएहैं, जबकिवित्तवर्ष 2014-15 मेंहममोबाइलआयातकरनेवालेदेशथे, जबभारतमेंबिकनेवालेसभीमोबाइलफोनकालगभग 74% आयातकियाजाताथा। विवरण**अनुबंध**मेंदियागयाहै।उद्योगकेअनुमानकेअनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्सक्षेत्रमेंलगभग 25 लाखरोजगार (प्रत्यक्षऔरअप्रत्यक्ष) उत्पन्नहुएहैं।

****

अनुबंध

वित्तीयवर्ष	**उत्पादन**	**निर्यात**
2014-15	190,366	38,263
2015-16	243,263	39,064
2016-17	317,331	39,980
2017-18	388,306	41,220
2018-19	458,006	61,908
2019-20	533,550	82,929
2020-21	554,461	81,822
2021-22	640,810	116,895
2022-23	822,350	189,934
2023-24	952,000	241,157

****

राशि: करोड़रुपयेमें